सांध्य दैनिक

4PM

यदि आप सफल होना चाहते हैं तो आपको स्वीकार्य सफलता के घिसे-पिटे रास्तों की बजाय नए रास्तों पर चलना चाहिए।

-जॉन डी. रॉकफेलर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 182 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 8 अगस्त, 2026

बीसीसीआई ने फिटनेस मानकों की शुरू... 7

बांकीपुर उपचुनाव के झटके के... 3

बिहार के डीजीपी पर कार्रवाई की... 2

पहले नो.. फिर गो..

राहुल की गूंज पर यूपी सरकार का यूटर्न

- » क्या युवाओं में राहुल गांधी के बढ़ते समर्थन से डर गयी है सरकार
- » राहुल गांधी के छात्र संवाद से घबराई सरकार
- » 30 जुलाई को इजाजत, 6 अगस्त को कैंसिलेशन 7 अगस्त को फिर बहाल
- » भागवत भी मान चुके हैं कि जेन जी की शिकायतें जायज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सासंद राहुल गांधी को आखिरकार प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आयोजित होने जा रहे कांग्रेस के छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने की इजाजत मिल गयी है।

वह यहां बड़ी संख्या में जुटे छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम को लेकर कुछ दिन पहले विवाद खड़ा हो गया था। केपी ट्रस्ट ने पहले कार्यक्रम की अनुमति रद्द कर दी थी। लेकिन ट्रस्ट ने कुछ शर्तों के साथ कांग्रेस को कार्यक्रम करने की इजाजत दे दी है। इसके बाद तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजन होगा। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि यूपी सरकार इस कार्यक्रम को रोकने की कोशिश कर रही है। पार्टी ने कहा था कि चाहे जो चुनौती हो छात्रों की गूंज तय समय पर होगा।

> “भाजपा इस कार्यक्रम को रोकना चाहती थी क्योंकि वह युवाओं में राहुल गांधी के बढ़ते समर्थन से डरी हुई है।
>
> तनुज पुनिया, सांसद कांग्रेस

> “भाजपा राहुल गांधी के छात्र युवा मुद्दों को उठाने से घबरा गई है।
>
> इमरान मसूद सांसद कांग्रेस

> “राहुल गांधी का छात्रों की गूंज अभियान सिर्फ प्रयागराज तक सीमित नहीं है। कांग्रेस इसे पेपर लीक, भर्ती में देरी, बेरोजगारी, परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों का राष्ट्रीय मंच बता रही है।”

सोचिए... कार्यक्रम को रोकने की नौबत क्यों आयी?

सोचिए एक कार्यक्रम की इजाजत दी जाती है। तैयारी शुरू होती है। पैसा जमा होता है। मैदान में टेंट लगने लगता है। फिर अचानक कहा जाता है कि कार्यक्रम नहीं होगा मैदान खाली करो। वजह पढ़ाई प्रभावित होना बताई गयी यह भी कहा गया कि बारिश से मैदान खराब होगा हाईकोर्ट का आदेश है। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती। अगले ही दिन वही मैदान फिर मिल जाता है। वही कार्यक्रम फिर होने लगता है। वही छात्र फिर बुलाए जाते हैं। तो सवाल सिर्फ इतना नहीं कि राहुल गांधी प्रयागराज में छात्रों से संवाद करेंगे या नहीं। सवाल यह है कि आखिर 24 घंटे में ऐसा क्या बदल गया कि नहीं अचानक हां हो गयी। 30 जुलाई को कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट ने राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए अनुमति दी थी। कांग्रेस के मुताबिक निर्धारित राशि भी जमा की गई और आयोजन की तैयारियां शुरू हो गयी। लेकिन 6 अगस्त को ट्रस्ट ने अनुमति वापस ले ली। ट्रस्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 14 अगस्त 2025 के आदेश शैक्षणिक गतिविधियों पर असर और मानसून में मैदान को नुकसान की आशंका का हवाला दिया। कांग्रेस ने इसे महज मैदान का मामला नहीं माना। आरोप लगाया कि राहुल गांधी का छात्रों से सीधा संवाद सत्ता को असहज कर रहा है और इसी दबाव में आयोजन रोकने की कोशिश की गयी। फिर कहानी पलटी। 7 अगस्त को कायस्थ पाठशाला ने यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की ओर से दिए गए अंडरटेकिंग के बाद अनुमति बहाल कर दी। आयोजन के लिए सात शर्तें/निर्देश भी लगाए गए। यानी जिस कार्यक्रम पर एक दिन पहले ब्रेक लग गया था वह फिर पटरी पर लौट आया।

पहले ना ना... फिर हां हां

राहुल गांधी आज 8 अगस्त को दोपहर 2 बजे दिल्ली से प्रयागराज के लिए रवाना होंगे। दोपहर करीब 3:30 बजे वह प्रयागराज एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से वे आनंद भवन जाएंगे और फिर केपी ग्राउंड पहुंचकर छात्रों से बातचीत करेंगे। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने राहुल गांधी का पूरा कार्यक्रम साझा करते हुए बताया है कि नेता प्रतिपक्ष शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों से संवाद और संबोधन करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और रात करीब 9:30 बजे विशेष विमान से दिल्ली लौट जाएंगे। नई दिल्ली में हुई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और सांसद किशोरी लाल शर्मा, तनुज पुनिया और इमरान मसूद ने कहा है कि भाजपा राहुल गांधी के छात्र युवा मुद्दों को उठाने से घबरा गई है। प्रयागराज में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने भी कहा कि चाहे अनुमति अस्थायी रूप से वापस ली गई हो पार्टी कार्यक्रम करेगी। कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने आरोप लगाया कि भाजपा इस कार्यक्रम को रोकना चाहती थी क्योंकि वह युवाओं में राहुल गांधी के बढ़ते समर्थन से डरी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छात्रों और युवाओं के साथ खड़ी है और उनकी समस्याओं को लगातार उठाती रहेगी।

‘जेन जी की शिकायतें सही है’

6 अगस्त को भारत के इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस के कार्यक्रम में भागवत ने करीब 2,000 छात्रों के सवाल सुने। उनसे जब जेन जी के आंदोलन और छात्र विरोध प्रदर्शनों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि छात्रों की शिकायतें वास्तविक हैं और शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन को लोकतंत्र में संवाद का एक माध्यम बताया। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध का उद्देश्य विभाजन नहीं बल्कि सहमति और व्यवस्था में सुधार होना चाहिए। यानी एक तरफ संघ प्रमुख कह रहे हैं कि जेन जी की शिकायते सही है तो दूसरी तरफ यूपी में राहुल गांधी के उसी जेन जी से संवाद के कार्यक्रम पर 24 घंटे के भीतर अनुमति का खेल चल रहा है। यही तुलना आज की सबसे बड़ी राजनीतिक कहानी है।

सवाल राहुल का नहीं सवाल छात्रों का है

राहुल गांधी का छात्रों की गूंज अभियान सिर्फ प्रयागराज तक सीमित नहीं है। कांग्रेस इसे पेपर लीक, भर्ती में देरी, बेरोजगारी, परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों का राष्ट्रीय मंच बता रही है। प्रयागराज में भी राहुल गांधी के इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यही वह जगह है जहां यूपी सरकार के लिए असली राजनीतिक चुनौती शुरू होती है। क्योंकि बेरोजगार युवा को मंच से रोकना और उसके सवाल का जवाब देना दो बिल्कुल अलग राजनीतिक रास्ते हैं। एक रास्ता कहता है कि कार्यक्रम मत होने दो। तो दूसरा रास्ता कहता है कार्यक्रम होने दो सवाल पूछने दो और जवाब दो। अब प्रयागराज में तीसरा रास्ता दिखाई दिया पहले अनुमति दी गयी फिर उसे रद्द किया गया फिर उसके बाद जब दबाव बड़ा तो फिर अनुमति दे दी गयी। यही यू टर्न अब विपक्ष के लिए राजनीतिक हथियार बन गया है। कांग्रेस इसे सरकार के दबाव और राहुल गांधी के कार्यक्रम के डर के तौर पर पेश कर रही है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने तो यह तक कहा कि बीजेपी को छात्रों के सामने झुकना पड़ेगा। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल के कार्यक्रम को रोकने की कोशिश की गई लेकिन छात्रों के दबाव के सामने फैसला बदलना पड़ा।

नई पीढ़ी भाजपा से नाराज : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख-भ्रष्टाचार के कारण धंसा कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे

» सपा सरकार बनने पर ठीक काम होंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा और उसकी सरकारों पर हमला जारी है। सपा प्रमुख ने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे भ्रष्टाचार के कारण धंसा है। राज्यपाल ने भी गोरखपुर और प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। नई पीढ़ी भाजपा से नाराज है। सपा सरकार बनने पर ठीक काम होंगे।

राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता, किसान और नई पीढ़ी भाजपा सरकार से बेहद नाराज है। आने वाला समय बदलाव का है। सपा सरकार बनने पर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान और विकास के क्षेत्र में ठोस काम किए जाएंगे। अखिलेश यादव पार्टी मुख्यालय पर बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को

संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे लगभग 63 किलोमीटर लंबा है। इसकी लागत चार हजार करोड़ रुपये से अधिक है। निर्माण के बाद ही सड़क जगह-जगह से धंस गई, जो कि भ्रष्टाचार का नमूना है।

राज्यपाल तक ने गोरखपुर और प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर टिप्पणी की

सपा अध्यक्ष ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 90 किलोमीटर सड़क पर सात हजार करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि यह महज फोरलेन की सड़क है। सात हजार करोड़ रुपये में समाजवादी पार्टी की सरकार ने चार विश्वविद्यालय बनाए हैं। राज्यपाल ने भी गोरखपुर और प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर टिप्पणी की है।

बाजार पर दूसरों का कब्जा बढ़ता जा रहा है

उन्होंने कहा कि जब नेताजी मुलायम सिंह यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब प्रदेश का बजट लगभग 70हजार करोड़ रुपये था। आज बजट बढ़कर लगभग 9 लाख करोड़ रुपये हो गया है, लेकिन इसके बावजूद महंगाई पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। बाजार पर दूसरों का कब्जा बढ़ता जा रहा है। आम जनता की परेशानी लगातार बढ़ रही है।

एक्सप्रेसवे निर्माण की बेहतर तकनीक और मॉडल समाजवादी सरकार ने विकसित किया

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे निर्माण की बेहतर तकनीक और मॉडल समाजवादी सरकार ने विकसित किया। आज भी लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे जैसा बेहतर एक्सप्रेसवे देश में दूसरा नहीं है। इसके विपरीत भाजपा सरकार में बनाई जा रही सड़कों की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

बिहार के डीजीपी पर कार्रवाई की जाए : तेजस्वी यादव

नेता प्रतिपक्ष ने छात्र प्रदर्शन में एके -47 इस्तेमाल का मुद्दा उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार के पुलिस महानिदेशक(डीजीपी)विनय कुमार से मुलाकात की और 25 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान एके-47 राइफल के कथित इस्तेमाल के मामले में सीवान के पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि छात्रों पर इस तरह की राइफल के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। राजद नेता ने पत्रकारों से कहा, प्रदर्शनकारियों पर एके-47 का इस्तेमाल केवल मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आदेश पर ही किया जा सकता था। इस मुद्दे पर दोनों ही चुप्पी साधे हुए हैं और कुछ भी नहीं कह रहे हैं। संबंधित पुलिस अधीक्षक (एसपी) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने डीजीपी से संबंधित एसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, तो यादव ने कहा, प्रदर्शनकारी

छात्रों पर एकके-47 के इस्तेमाल के मामले में एसपी समेत सब पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने संसद में इस मुद्दे को उठाया।

यादव ने कहा कि वह दोनों नेताओं को आमंत्रित करना चाहेंगे कि वे यहां आएं और 25 जुलाई को हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुए छात्रों से मुलाकात करें। उस दिन वामपंथी छात्र संगठनों के सदस्यों ने नीट प्रश्नपत्र लीक और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुलाए गए 'बिहार बंद' के समर्थन में कई जिलों में प्रदर्शन किये थे और उनकी पुलिस के साथ झड़प हुई थी।

रामाशीष राय ने रालोद प्रदेश अध्यक्ष से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) रामाशीष राय ने

» जयंत चौधरी को भेजा त्यागपत्र

पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी को भेज दिया है।

बताया जा रहा है कि हाल ही में जयंत चौधरी ने उत्तर प्रदेश रालोद में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की थी। इसके साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष को प्रदेश की जिला इकाइयों के गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। माना जा रहा है कि इसी संगठनात्मक बदलाव के बाद रामाशीष राय ने पार्टी से नाता तोड़ने का फैसला किया। रामाशीष राय पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले हैं।

वह करीब दो दशक तक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े रहे। भाजपा के टिकट पर उन्हें उत्तर प्रदेश विधान परिषद का सदस्य भी मनोनीत किया गया था। हालांकि, बाद में अपेक्षित राजनीतिक महत्व और जिम्मेदारी नहीं मिलने से उन्होंने भाजपा छोड़ दी थी। इसके बाद वह राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हुए। पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें उत्तर प्रदेश रालोद का प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। अब उनके इस्तीफे से प्रदेश में रालोद की संगठनात्मक राजनीति को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

सपा 'पीडीए' का राजनीतिक छलावा कर रही है : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स% पर पोस्ट कर समाजवादी पार्टी की नीतियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि संकीर्ण जातिवादी राजनीति करने वाली सपा बसपा से ब्राह्मण समाज के जुड़ाव से घबरा गई है और अपने पीडीए फॉर्मूले में बदलाव कर राजनीतिक छलावा कर रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) के ''ब्राह्मण प्रेम'' पर तीखा प्रहार करते हुए शनिवार को कहा कि सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए ''गिरगिट की तरह रंग बदलती रहती है।

मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''बसपा सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति पर चलने वाली सर्वसमाज-हितैषी आंबेडकरवादी पार्टी है। उत्तर प्रदेश में हमारी चार बार की सरकार भी इसी आधार पर चली है, जबकि सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के लिए जगजाहिर तौर पर गिरगिट की तरह रंग बदलती रहती है।'' उन्होंने सपा के 'पीडीए' फॉर्मूले पर सवाल उठाए। मायावती ने कहा, ''सपा द्वारा प्रचारित पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक में पहले 'पी' से पिछड़ा बताया जाता था। लेकिन अब ब्राह्मण समाज को बसपा से तेजी से जुड़ता देख और उसी आधार पर पार्टी उम्मीदवार बनाए जाने से घबराकर सपा ने 'पी' का मतलब 'पंडित' कर दिया है। यह उनके राजनीतिक छलावे का जीता-जागता प्रमाण है।' पांच अगस्त को समाजवादी नेता दिवंगत जनेश्वर मिश्र की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि पीडीए में 'पी' का मतलब 'पंडित' है। मायावती ने तंज कसते हुए कहा, ''ऐसी छल की राजनीति से किसी व्यक्ति का कुछ समय के लिए भला हो सकता है, लेकिन पूरे समाज का भला कभी नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए सर्वसमाज के लोगों को ऐसी छलावापूर्ण समाजवादी पार्टी और उसकी संकीर्ण जातिवादी राजनीति से सावधान रहना चाहिए। यह समय की मांग है और सर्वसमाज के हित में भी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मेरी जासूसी कराई जा रही है : अभिजीत दीपके

» सुरक्षा में तैनात पीएसओ पर भड़के सीजेपी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सीजेपी संयोजक अभिजीत दीपके ने अपने घर की सुरक्षा में तैनात पीएसआई पर लोगों से कथित तौर पर रूखा व्यवहार करने और उन्हें उनसे मिलने से रोकने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दीपके पुलिसकर्मी को फटकारते हुए उसे घर से बाहर जाने के लिए कहते और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से उसे हटाने की मांग करते नजर आ रहे हैं।

दीपके ने अपने आवास के आसपास सादे कपड़ों में सीआईडी कर्मियों की मौजूदगी और उनके द्वारा 'हिट स्प्रे' नाम के

व्हाट्सऐप ग्रुप में रिपोर्ट भेजे जाने का भी दावा किया है। पुलिस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी उनके घर आने वाले लोगों के साथ 'रूखा' व्यवहार कर रहा था और वालुज एमआईडीसी इलाके में स्थित उनके आवास में आने-जाने वाले लोगों पर नजर रखने के साथ-साथ उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा था। दीपके को यह सुरक्षा उन्हें धमकियां मिलने और उनके घर पर जुटने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मुहैया कराई गई है। हालांकि, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सीआईडी के कुछ कर्मचारी सादे कपड़ों में उनके घर के आसपास घूम रहे थे और बाद में 'हिट स्प्रे' नाम के सोशल मीडिया ग्रुप में इसकी रिपोर्ट भेज रहे थे। शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दो वीडियो वायरल हुए, जिनमें सीजेपी संस्थापक एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से फोन पर बात करते और अपने घर पर तैनात एक पीएसआई से बहस करते नजर आ रहे हैं।

बांकीपुर उपचुनाव के झटके के बाद भाजपा और राजद में मची खलबली

सवर्ण मिशन पर भाजपा, राजद में घमासान जारी

- तेजस्वी को चाटुकारों से बचने की अपील
- जदयू व बीजेपी में फिर से तैयारी करने पर चर्चा
- जनसुराज को रोकने की रणनीति बनाने पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के हाईप्रोफाइल सीट का परिणाम आ चुका है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की परंपरागत सीट जनसुराज पार्टी के अध्यक्ष प्रशांत किशोर उर्फ पीके ने जीत लिया है। उनकी जीत से जहां बीजेपी को करारा झटका तो लगा ही उससे तगड़ा चोट राजद को पहुंची है। वह तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उधर परिणाम के बाद जहां जनसूराज में जश्न है वहीं भाजपा व राजद में मंथन शुरू हो गया है। जहां भाजपा संगठन में फिर से संचार के लिए काम करने जा रही है।

वहीं राजद के अंदर से पार्टी की कमियों पर चर्चा होने लगी है। उधर भाजपा के मंत्री दाव कर रहे हैं राजद का वोट प्रशांत किशोर को गया, भाजपा का नहीं। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत के बाद भाजपा कोटे से बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेंद्र ने कहा कि जन सुराज की जीत उसके अपने जनाधार की वजह से नहीं, बल्कि राजद के कोर वोटरों के उसके पक्ष में शिफ्ट होने से हुई है। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। भाजपा कोटे से बिहार सरकार में पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेंद्र ने दावा किया कि जन सुराज की जीत उसके अपने जनाधार की वजह से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जनता दल के वोट उसके पक्ष में शिफ्ट होने से हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा का वोट बैंक पहले भी मजबूत था और आज भी पूरी तरह उसके साथ खड़ा है।

तेजस्वी के आसपास रहने वाले लोगों को हटाने की चर्चा

भाई वीरेंद्र ने कहा कि तेजस्वी यादव के आसपास रहने वाले कुछ लोगों को हटाने की आवश्यकता है। उनके अनुसार, जनता उन लोगों को लेकर नाराज है और उनके प्रति असंसदीय भाषा तक का इस्तेमाल कर रही है। उनका कहना था कि ऐसे लोगों की वजह से पार्टी की छवि प्रभावित हो रही है, इसलिए नेतृत्व को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब पार्टी को जनता के बीच जाकर फिर से विश्वास कायम करना होगा। लोगों से सीधे संवाद स्थापित करना होगा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि इस पूरे घटनाक्रम में पार्टी से बड़ी गलती हुई है, जिसे सुधारने की जरूरत है।

संगठनात्मक फैसले पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हुए

भाई वीरेंद्र ने यह भी दोहराया कि टिकट वितरण और संगठनात्मक फैसलों में सीमित लोगों का प्रभाव पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है। उनके अनुसार, कुछ नेताओं की सिफारिशों के आधार पर लिए गए निर्णयों का असर चुनावी प्रदर्शन पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि अब संगठन की कार्यशैली और जिम्मेदारियों की नए सिरे से समीक्षा की जानी चाहिए।

विपक्ष ने इसे चुनावी रणनीति बताया

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा अपने पारंपरिक सवर्ण वोट बैंक से मिले नाराजगी के संकेतों के बाद सामाजिक समीकरण साधने में जुटी है। विपक्ष ने इसे चुनावी रणनीति बताया है, जबकि सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। जातीय राजनीति के लिए चर्चित बिहार में इस फैसले को आगामी चुनावों से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

एनडीए का जनाधार कभी कमजोर नहीं हुआ

ई. कुमार शैलेंद्र ने कहा कि कुछ लोग यह दावा कर रहे हैं कि भाजपा के कोर वोटरों ने चुनाव परिणाम बदल दिया, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा का वोटर आज भी पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा है और पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता नाराज नहीं है। हार के बाद विपक्ष इस तरह की बातें करता है, जबकि वास्तविकता यह है कि एनडीए आज भी पूरी तरह मजबूत है।

राजद का वोट प्रशांत किशोर के पक्ष में गया : कुमार शैलेंद्र

मुजफ्फरपुर जिला सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेंद्र ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर की जीत का सबसे बड़ा कारण राजद के कोर वोटरों का उनके पक्ष में शिफ्ट होना है। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी का अपना कोई जनाधार या वोट बैंक नहीं है। यदि आज पूरे बिहार में चुनाव हो जाए तो एनडीए की जीत होगी और जन सुराज को हार का सामना करना पड़ेगा। मंत्री ने कहा कि बांकीपुर में जो परिस्थितियां

बनीं, उनमें RJD के कोर वोटरों ने प्रशांत किशोर का समर्थन किया। इसी वजह से वह चुनाव जीत पाए। उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर अपने जनाधार की वजह से नहीं, बल्कि परिस्थितियों के विधायक बने हैं।

भाजपा ने 38 जिलों में नोडल अधिकारी बदलेंगे

बांकीपुर उपचुनाव के बाद बिहार सरकार ने सभी 38 जिलों में सवर्ण समाज से जुड़े मामलों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने का फैसला किया है। सरकार इसे प्रशासनिक सुधार बता रही है, जबकि विपक्ष इसे सवर्ण वोट बैंक को साधने की चुनावी रणनीति मान रहा है। नोडल अधिकारी ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र, जमीन विवाद और अन्य शिकायतों के समाधान में मदद करेंगे। राजनीतिक हलकों में इसे सवर्ण वोट बैंक को फिर से मजबूत करने की रणनीति माना जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि जिला स्तर पर सवर्ण समाज की शिकायतों के लिए इस तरह की व्यवस्था पहली बार बनाई जा रही है। नोडल अधिकारी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) प्रमाणपत्र, जमीन विवाद, जातीय उत्पीड़न और अन्य शिकायतों के समाधान में मदद करेंगे। अब तक इन मामलों का निपटारा मुख्य रूप से पटना स्थित बिहार सवर्ण आयोग के स्तर पर होता था। आयोग के अध्यक्ष महाचंद्र सिंह के अनुसार, जिला स्तर पर व्यवस्था बनने से शिकायतों का तेजी से निपटारा हो सकेगा। इस फैसले की टाइमिंग को लेकर भी चर्चा है। बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों के तुरंत बाद इसकी घोषणा हुई है।

भाई वीरेंद्र और शक्ति यादव आमने-सामने

राष्ट्रीय जनता दल में संगठन और नेतृत्व को लेकर शुरू हुई बयानबाजी अब खुली तकरार में बदलती नजर आ रही है। मनेर से राजद विधायक भाई वीरेंद्र और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव के बीच तीखी जुबानी जंग छिड़ गई है। दोनों नेताओं के बयानों ने पार्टी के भीतर चल रही असहमति को सार्वजनिक कर दिया है।

विवाद की शुरुआत भाई वीरेंद्र के उस बयान से हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी अध्यक्ष तेजस्वी यादव के आसपास मौजूद कुछ लोगों को हटाने की जरूरत है। उनका कहना था कि ऐसे लोगों के कारण जनता में नाराजगी बढ़ रही है और पार्टी की छवि को

नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और जनता के बीच दोबारा विश्वास कायम करने की आवश्यकता है। भाई वीरेंद्र के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शक्ति यादव ने सवाल उठाया कि उन्होंने (भाई वीरेंद्र) ने पार्टी के लिए क्या योगदान दिया है? इसके बाद भाई वीरेंद्र ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह लंबे समय से समाजवादी आंदोलन और राजद की राजनीति से जुड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के कठिन दौर में भी वह संगठन के साथ खड़े रहे हैं और उनके राजनीतिक अनुभव पर सवाल उठाना उचित नहीं है। भाई वीरेंद्र ने शक्ति यादव को चेतावनी दी कि यदि उन पर व्यक्तिगत टिप्पणी जारी रही तो वह कई ऐसे तथ्य सार्वजनिक करेंगे, जिनसे कुछ नेताओं के लिए जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने सख्त अंदाज में कहा कि खामोश रहो, मैं लोकदल के जमाने से राजनीति कर रहा हूं जब तुम्हारी राजनीति में एंट्री भी नहीं हुई थी। 2010 में जब 22 विधायक बने थे तब से मैं हूं, कई लोग आए और चले गए लेकिन मैं नहीं बदला। अब 2025 में 25 विधायक हैं और अगर मैं तुम्हारी करतूतें सार्वजनिक कर दूंगा तो तुम मुंह दिखाने लायक नहीं रहोगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

युवा देश में युवाओं की हालत बदतर

एक तरफ भारत सबसे युवा देश होने का अभिमान करता है। तो दूसरी जंतर-मंतर से लेकर रांची तक में युवा रोजगार के लिए जद्दोजहद कर कर है। वहीं एक युवाओं से संबंधित आंकड़ा आया है जो काफी गंभीर है। उच्च शिक्षा में लड़कों का घटता नामांकन चिंताजनक बन गया है। सरकारों को इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। युवाओं के सपने पूरे हों और वे अपने लक्ष्य से विमुख नहीं हो इसके लिए नीति नियंताओं को व्यापक स्तर पर मशक्कत करनी होगी। विकसित भारत के लक्ष्य पथ के लिए निर्धारित शिक्षा व रोजगार के ढांचे की गहन समीक्षा करनी होगी। कमियों और विसंगतियों को दूर कर ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जो युवाओं में व्यवस्था और उनके खुद के भविष्य के प्रति भरोसा जगा सके। बड़ी चिंता यह भी कि वर्ष 17 में परिवार की मदद के लिए पढ़ाई छोड़ने वाले लड़के 58 प्रतिशत थे, जो बढ़कर 24 में 72 फीसदी पर पहुंच गए हैं।

उच्च शिक्षा व रोजगार में युवाओं की भागीदारी को लेकर जारी ताजा रिपोर्ट सचमुच चिंताजनक है। यह चिंता इसलिए भी है क्योंकि जिस उच्च शिक्षा को युवाओं के सपने को दिशा देने वाला माना जाता है। उसी को तिलांजलि देते हुए युवा आजीविका की कोई न कोई राह पकड़ रहे हैं। उच्च शिक्षा में लड़कियों के नामांकन में फर्क नहीं आया है लेकिन आमतौर पर परिवार की जिम्मेदारियां उठाने में आगे समझे जाने वाले लड़के उच्च शिक्षा में दाखिले के बजाय नौकरी या स्वरोजगार को प्राथमिकता दे रहे हैं। लड़कों की यह बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि उन्होंने किसी न किसी मजबूरी में अपने सपनों का पीछा करना छोड़ दिया है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 17 से 24 के बीच के महज सात वर्षों में उच्च शिक्षा में लड़कों का दाखिला 38 से गिरकर 34 फीसदी रह गया है। बड़ी चिंता यह भी कि वर्ष 17 में परिवार की मदद के लिए पढ़ाई छोड़ने वाले लड़के 58 प्रतिशत थे, जो बढ़कर 24 में 72 फीसदी पर पहुंच गए हैं। ये आंकड़े इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि जिस दौर में हर कोई सिर्फ पढ़ाई पर फोकस रखकर भविष्य के निर्माण पथ पर प्रगतिरत रहने की बात करता नजर आता है, उसी दौर में आज लड़के कॉलेज छोड़कर छोटी-मोटी नौकरी करने को प्राथमिकता देने में लगे हैं। परिवार की मदद करने व अपने पैरों पर खड़े होने का भाव आगे की पढ़ाई बीच में ही छोड़ने की वजह बनना स्वाभाविक है। लेकिन जाहिर है कि इसका असर उच्च शिक्षा में प्रवेश के आंकड़ों में कमी के रूप में परिलक्षित हो रहा है।

“ विकसित भारत के लक्ष्य पथ के लिए निर्धारित शिक्षा व रोजगार के ढांचे की गहन समीक्षा करनी होगी। कमियों और विसंगतियों को दूर कर ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जो युवाओं में व्यवस्था और उनके खुद के भविष्य के प्रति भरोसा जगा सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जंतर-मंतर पर सुरक्षा तैयारी में चूक के सबक

गुरबचन जगत

मैंने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हो रही कुछ गतिविधियों को देखा। प्रदर्शनकारियों की भीड़ बहुत बड़ी थी और उसकी तुलना में कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिस बल नाकाफी लग रहे थे। एक विशाल और अराजक भीड़ और कम संख्या में पुलिसवाले होना स्थिति बेकाबू बनने में आवश्यक घटक होते हैं। जब मैं इस बारे में विचार करता हूं, तो यह स्पष्ट है कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' के बुलावे पर लोगों की प्रतिक्रिया का अंदाजा लगाने में भारी गलती हुई, नतीजन सुरक्षा बलों की प्रतिक्रिया भी पर्याप्त नहीं थी। विगत में पीछे मुड़कर देखें तो चर्चा में 'कॉकरोच' शब्द की आमद के बाद स्थिति तेजी से बदली। बोस्टन से आए एक व्यक्ति ने संसद तक मार्च का आह्वान कर नई दिल्ली में अपने किस्म की 'टी पार्टी'(चाय पार्टी) बनाने की कोशिश की। किसी सभा या विरोध-प्रदर्शन की इजाजत देने या न देने का फैसला मात्र पुलिस का न होकर शहर अथवा राज्य के नागरिक प्रशासन का भी होता है।

पुलिस बल राजसत्ता का एक औजार है और उसका पेशेवर व्यवहार तय कर सकता है कि स्थिति बिगड़ेगी या काबू में रहेगी। मौजूदा मामले में, अधिकारियों ने तैयारी और योजना बनाने का वक्त गंवा दिया क्योंकि उन्होंने लोगों की प्रतिक्रिया के पैमाने का सही अंदाजा नहीं लगाया व स्थिति एक असमान टकराव में बदल गई। आमतौर पर, जब भी ऐसे किसी मार्च की घोषणा होती है, तो जमीनी स्तर पर प्रशासनिक मशीनरी अतिरिक्त सक्रिय हो जाती है। जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक तथा खुफिया एजेंसियों के अधिकारी मिलकर बैठक करते हैं, खतरे के स्तर का आकलन किया जाता है व उससे निबटने के लिए आपातकालीन योजनाएं बनाई जाती हैं। बलों की जरूरत का आकलन किया जाता है और लाठीचार्ज दस्ता, आंसू गैस, हथियारबंद टुकड़ियों आदि की उपलब्धता का अनुमान लगाया जाता है। अगर और ज्यादा कर्मियों एवं सामग्री की जरूरत दिखे, तो जरूरी मांग की जाती है। सूचीबद्ध किए गए इंतजामों की देखरेख के लिए अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं और सिर्फ उन्हीं को चुना जाता है जिनका अनुभव विगत में ऐसी स्थितियों को संभालने का साबित हो चुका हो।

इसके साथ ही, कार्यकारी मजिस्ट्रेट नामित किए जाते हैं और उन्हें पुलिस अधिकारियों से संलग्न कर दिया जाता है। इलाके को सेक्टरों में बांटा जाता है और इन अधिकारियों को काम करने के निर्दिष्ट इलाके सौंप दिए जाते हैं। सभी

इंतजामों की कुल मिलाकर निगरानी के लिए एक बहुत वरिष्ठ अधिकारी को तैनात किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ऊपर बताए गए सभी उपायों का ध्यान रखा गया है। वह सभी विभागों के अधिकारियों को उद्देश्य के बारे में निर्देश देता है और आगे वे अपनी-अपनी जिम्मेदारी वाले इलाकों के अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हैं। स्थिति क्या है यह बताना और समझाना सबसे जरूरी है ताकि आखिरी व्यक्ति तक को खतरे और उस पर क्या प्रतिक्रिया देनी है, इसकी समझ बन जाए। बल का इस्तेमाल इस सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए कि वांछित अधिकतम परिणाम पाने के लिए न्यूनतम बल का प्रयोग करना पड़े। अधिकारियों और जवानों को यह याद रखना चाहिए कि ये हमारे ही भाई-बंधु हैं और हमें उनके साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार नहीं करना है। ज्यादा से ज्यादा परिणाम पाने के लिए कम-से-कम बल का इस्तेमाल किया जाए। पूरे अभियान की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए। आंसू गैस दस्ते को एक रणनीतिक जगह पर एक राजपत्रित अधिकारीकी देखरेख में अलग से तैनात किया जाना चाहिए और वह केवल उनके आदेश पर ही काम करेगा। इसी प्रकार, हथियारबंद दस्ता भी एक राजपत्रित अधिकारी की देखरेख में सुरक्षित जगह पर उपलब्ध रहे और वह केवल उनके आदेश पर ही कार्रवाई करेगा। आंसू गैस के गोले और अन्य हथियार सामान्य बलों को नहीं दिए जाएं; नियम के अनुसार उनके पास केवल लाठियां होनी चाहिए। इंतजाम का एक और बहुत जरूरी हिस्सा कंट्रोल रूम है, जिसे ऑपरेशन वाली जगह के पास स्थापित किया जाना चाहिए और वहां चौबीसों घंटे वरिष्ठ अफसर मौजूद रहें। कंट्रोल रूम और सेक्टर इंचार्ज अफसरों के पास नवीनतम संचार उपकरण होने चाहिए और संवाद का एक असरदार चैनल बनाया जाना चाहिए।

सीनियर अफसरों को इस कंट्रोल रूम में मौजूद होना चाहिए- पुलिस और एग्जिक्यूटिव अफसर ,दोनों केवल अपने दफ्तरों तक ही सीमित नहीं रहें। एक बार जब इंतजाम पूरे हो जाएं, अफसरों और जवानों को स्थिति संबंधी निर्देश और जानकारी दी जाए और पूर्वाभ्यास किया जाए, वरिष्ठ अधिकारी भीड़ की संख्या और इरादों के बारे में ताजा जानकारी के लिए खुफिया एंजेसियों के संपर्क में रहें। अगर हो सके, तो वरिष्ठ सिविल और पुलिस अफ़सरों को आयोजकों से मिलना चाहिए ।

बांकीपुर की जीत बदलेगी सियासत की दिशा

वेद विलास उनियाल

एक राज्य का उपचुनाव का परिणाम किस तरह पूरे देश भर में अपनी धमक दिखा सकता है, इसे बिहार बांकीपुर चुनाव के नतीजे आने के बाद महसूस किया जा सकता है। इस एक सीट ने देश की सियासत के कई संदेश एक साथ दे दिए हैं। बांकीपुर की वह सीट, जिसमें कई कारणों से बीजेपी के लिए चुनाव एक औपचारिक-सा माना जा रहा था वहां उसके प्रत्याशी का लगभग 19 हजार वोटों से पीछे रह जाना सबको चौंकाया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का गढ़ मानी गई इस सीट पर जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने जीत हासिल की है। 1995 से बीजेपी यहां कोई चुनाव नहीं हारी थी। इस सीट को नवीन परिवार की सीट कहा जाता रहा है।

दूसरी तरफ प्रशांत किशोर की पार्टी विधानसभा चुनाव में 238 में 233 सीटों पर जमानत जब्त कराकर हाशिए पर थी। ऐसे में उपचुनाव का यह नतीजा जहां बीजेपी को आत्ममंथन करने के लिए विवश करता है वहीं विपक्ष की बड़ी पार्टियों को भी यह अवसर नहीं देता कि इस जीत पर उल्लास मना सकें। खासकर इस सीट पर जो आरजेडी जमानत नहीं बचा सकी उसके लिए भी बिहार की सीमाओं में स्पष्ट संदेश है। वर्ष 2024 मे लोकसभा में अयोध्या की सीट हारने के बाद बीजेपी के लिए बांकीपुर विधानसभा की सीट हारना दूसरा सदमा है। इस चुनाव ने बताया है कि चुनावी रणनीति ठीक हो, मतदाताओं के साथ संवाद हो और लागलपेट के बजाय सहजता से अपने मुद्दों को रखा जाए तो वोट बरस सकते हैं। कुछ महीनों में ही अगर मतदाताओं की सोच में इतना फर्क आया है तो फिर बीजेपी को आकलन करना होगा कि इस अवधि में ऐसे कौन से घटनाक्रम हुए जिनसे मतदाता का मन बिल्कुल बदल गया। बीजेपी ने नामांकन खत्म होने से पहले एकाएक अपनी पार्टी का उम्मीदवार बदला। इससे साथ ही भरत तिवारी के एनकाउंटर को लेकर सवर्णों में निराशा फैली। कहीं न कहीं ऐसे अवसर पर दिल्ली में छात्रों के आक्रोश से भी किसी हद तक माहौल बदला। बीजेपी की कार्यशैली के साथ साथ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बयानों ने भी मतदाताओं को नाराज किया। बीजेपी के प्रभाव वाले वोट जनसुराज पार्टी को मिले बिना इस तरह की बड़ी जीत हासिल करना संभव नहीं था। प्रशांत किशोर को बीजेपी के मत भी मिले और आरजेडी के भी।

साथ ही इस चुनाव ने इस धारणा को भी और सबल बना दिया कि राष्ट्रीय पार्टियों के तौर-तरीके और शैली में जनता कहीं किसी बदलाव की अपेक्षा कर रही है। फिर वह चाहे तमिलनाडु में विजय थलपति को सत्ता थमाना हो या फिर बांकीपुर की सीट उन प्रशांत किशोर को सौंपनी हो, जो अपना पहला चुनाव लड़ रहे थे। ऐसा नहीं कि प्रशांत किशोर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की खाली की हुई सीट पर जीत कर बड़े नायक बन गए हों। लेकिन उनकी जीत ने सियासत की कई संभावनाओं को सामने रख दिया है। इसका संदेश बिहार सहित पूरे देश के लिए है।

प्रशांत किशोर ने राजनीति के मिजाज को बखूबी समझा। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से न तो वह विचलित हुए न हताश हुए। उन्होंने कोई अनर्गल बयान नहीं दिया। एसआईआर पर भी वह ज्यादा नहीं बोले। वह जिस तरह बांकीपुर के मतदाताओं के समक्ष गए उसकी थाह मतदाताओं ने ली। बीजेपी या आरजेडी से हताश हो रहे मतदाता ने प्रशांत किशोर को सबसे बेहतर विकल्प माना। देश में कुछ उपचुनाव ऐसे भी हैं जिन्होंने राजनीति की दिशा और दशा को बदला। आपातकाल के बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी। लेकिन दक्षिण भारत में उसे आधार मिला था। यहीं से कर्नाटक की लोकसभा एक सीट चिकमगलूर डीबी चंद्रगौड़ा ने इस्तीफा देकर खाली की थी। इंदिरा गांधी ने यहीं से उपचुनाव लड़ा था। यह उपचुनाव के लिए जनता पार्टी ने जनता दल के कद्दावर नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र पाटिल को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। आपसी मतभेद में जूझ रही जनता पार्टी के लिए चिकमगलूर का परिणाम आगे का संकेत लेकर आया था। उपचुनाव की बात करें तो पौड़ी संसदीय क्षेत्र में 1981 का चुनाव भारतीय राजनीति का सबसे दिलचस्प रोमांचक चुनाव कहा जा सकता है। यह चुनाव सीधे-सीधे कद्दावर नेता हेमवती नंदन और पीएम इंदिरा गांधी के बीच प्रतिष्ठा का चुनाव बन गया था।

हालांकि, चुनाव लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के नेता एचएन बहुगुणा और कांग्रेस के चंद्र मोहन सिंह नेगी के बीच था। एचएन बहुगुणा जनता पार्टी के टूटने पर 1980 में फिर से कांग्रेस में शामिल हुए थे। लोकसभा चुनाव में पौड़ी सीट पर उन्होंने जीत हासिल की थी। लेकिन संजय गांधी से उनका तालमेल नहीं बैठा। यह उनका नैतिक आधार था कि जिस पार्टी को छोड़ा है उसके टिकट पर सांसद बने रहने का औचित्य नहीं है। उन्हें दोबारा जनादेश लेना चाहिए। यही बात कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व को खटकी थी। कांग्रेस ने पांच राज्यों के मुख्यमंत्रियों को प्रचार में उतारा था। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने दो सभाएं की थीं। 14 जून, 1981 को इस सीट पर ऐतिहासिक चुनाव हुआ था। लेकिन तब कुछ गड़बड़ियों की शिकायत पर मुख्य चुनाव आयुक्त श्याम लाल शकधर ने चुनाव रद्द कर दिया था। दोबारा चुनाव होने पर हेमवती नंदन बहुगुणा ने 42 हजार की लीड लेकर चुनाव जीता था। इस चुनाव का महत्व यह भी था कि देश में चुनाव सुधार और पारदर्शी मतदान के लिए एक नई बहस ने जन्म लिया था।

मानसून में इन चीजों को खाने से बीमारियां रहेंगी दूर

मानसून न केवल गर्मी से राहत दिलाता है, बल्कि लोग इस मौसम कई तरह के व्यंजनों का आनंद लेते हैं। हालांकि सेहत के लिहाज से यह मौसम सही नहीं माना जाता है। अगर आप मानसून में स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो आप अपनी डाइट में कुछ आयुर्वेदिक चीज़ों को शामिल कर सकते हैं। जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और आप कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं।

नीम

भले ही नीम का स्वाद कड़वा होता है। इसमें माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं। जो बारिश के मौसम में स्किन की देखभाल करने में मदद करते हैं। नीम के पत्ते में एंटिफंगल गुण पाए जाते हैं। आप नीम की चाय या नीम की पत्तियां भी चबा सकते हैं। इससे आप स्वस्थ रहेंगे। नीम के बहुत-से अविश्वसनीय लाभ हैं, उनमें से सबसे खास है - यह कैंसर-कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। हर किसी के शरीर में कैंसर वाली कोशिकाएं होती हैं, लेकिन वे एक जगह नहीं होतीं, हर जगह बिखरी होती हैं। किसी वजह से अगर आपके शरीर में कुछ खास हालात बन जाते हैं, तो ये कोशिकाएं एकजुट हो जाती हैं।

लेमनग्रास

लेमनग्रास में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। आप चाय में इसे शामिल कर सकते हैं। इससे आपकी इम्युनिटी तेज होती है। मानसून के दौरान आम बीमारियों से बचाने में लेमनग्रास मदद कर सकता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में लेमन ग्रास अहम भूमिका निभा सकती है। इस बात की पुष्टि दो अलग-अलग शोध से होती है। लेमन ग्रास का सेवन अपच, गैस्ट्रिक की समस्या व पेट संबंधित अन्य परेशानियों से राहत दिलाने के साथ पेट की अंदरूनी दीवारों को सुरक्षा प्रदान कर सकता है। साथ ही, पाचन को दुरुस्त करने में भी सहायक हो सकता है।

गिलोय

मानसून में आफ संक्रमण से बचना चाहते हैं, तो गिलोय का काढ़ा पी सकते हैं या इसके पाउडर का भी उपयोग कर सकते हैं। जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। गिलोय में बुखार कम करने वाले गुण होते हैं। यह फ्लू जैसे लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

स्ट्रीट फूड से बचें

स्ट्रीट फूड कई लोगों के लिए मुख्य भोजन है, लेकिन मानसून के दौरान यह विशेष रूप से खतरनाक होता है। मौसमी नमी और बारिश के पानी के संपर्क में आने से बैक्टीरिया और अन्य रोगजनकों के लिए उन्हें दूषित करना आसान हो जाता है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा को विथानिया सोम्नीफेरा के नाम से भी जाना जाता है, इसमें इम्यून-मॉड्यूलेटिंग गुण होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। मानसून की डाइट में आप अश्वगंधा जरूर शामिल करें। यह जादुई जड़ी बूटी मस्तिष्क को शांत करने, सूजन को कम करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकती है। अश्वगंधा मानव शरीर को विभिन्न तरीकों से लाभ पहुंचाता है और आयुर्वेद में इस जड़ी-बूटी को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।

अदरक

अदरक में विटामिन-सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, एंटीवायरल और एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं। मानसून में आप अपनी डाइट में अदरक जरूर शामिल करें। आप अदरक की चाय, सूप या इसे सब्जी में शामिल कर खा सकते हैं। अगर आपको एक्सरसाइज करने से मांसपेशियों में दर्द हो रहा है तो अदरक के इस्तेमाल से इसमें राहत मिल सकती है। प्रतिदिन 2 ग्राम अदरक के सेवन मांसपेशियों के दर्द को कम किया जा सकता है।

हंसना मना है

पति: अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नहीं निकाल सकती? पत्नी: अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नहीं चबा सकते?

अर्ज है: रोज-रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

वाइफ: प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार: अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी: डॉक्टर साहब.. मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताये? डॉक्टर: आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

पापा बेटी से: पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी: ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता: क्यों रो रहे हो? संता: और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नही आता।

कहानी | उम्र बढ़ाने वाला पेड़

एक बार तुर्किस्तान के बादशाह को अकबर की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने की सूझी। बादशाह ने अपने दूत को संदेश पत्र देकर दिल्ली रवाना किया। बादशाह ने पत्र में लिखा था 'मुझे सुनने में आया है कि भारत में ऐसा पेड़ है, जिसके पत्ते को खाकर इंसान की आयु बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगर यह बात सच है, तो मेरे लिए उस पेड़ के कुछ पत्ते जरूर भेंजे।'अकबर पत्र पढ़कर सोच में पड़ गए। फिर बीरबल की सलाह पर अकबर ने दूत को कैद करने का आदेश दिया। फिर दूत से कई दिन बाद अकबर और बीरबल मिलने गए। अकबर ने दूत से कहा 'जब तक इस किले की एक-दो ईंट गिर नहीं जाती, तब तक आप लोगों को आजाद नहीं करेंगे। इतना कहकर बादशाह और बीरबल वहां से चले गए। उनके जाने के बाद दूत कैद से निकलने के लिए उपाय सोचने लगे। फिर वे भगवान से प्रार्थना करने लगे। कुछ दिनों बाद अचानक तेज भूकंप आया और भूकंप के कारण किले का एक भाग टूटकर गिर गया। यह खबर सुनते ही अकबर को अपना वादा याद आया और उन्होंने दूत को दरबार में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। अकबर बोले 'अब तो आप सबको अपने बादशाह के द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर मिल गया होगा। तुम सिर्फ 100 लोग हो और तुम्हारी आह सुनकर किले का एक हिस्सा गिर गया, तो सोचो जिस देश में हजारों लोगों पर अत्याचार होते हैं, उस देश के बादशाह की आयु कैसे बढ़ेगी। लोगों की आह से उसका पतन तो निश्चित है। हमारे भारत देश में किसी गरीब पर अत्याचार नहीं होता। यही होता है आयुवर्धक वृक्ष।' उसके कुछ दिन बाद बादशाह ने दूत को उनके देश भेज दिया। दूत ने तुर्किस्तान पहुंचकर भारत में घटित सारी बात विस्तार से बादशाह को बताई अकबर-बीरबल की बुद्धिमत्ता देखकर तुर्किस्तान के बादशाह ने दरबार में उनकी बहुत प्रशंसा की।

7 अंतर खोजें

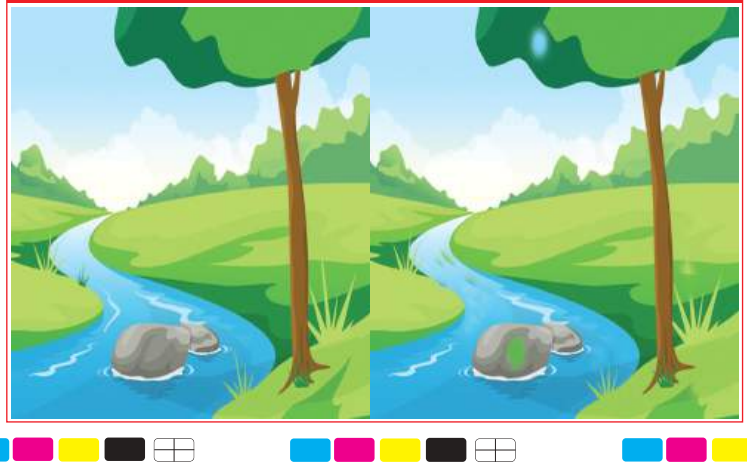

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वित्तीय मामलों में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। पारिवारिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल रहेंगे। कार्यस्थल पर आपकी बातों का प्रभाव बढ़ेगा।

वृषभ

चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से मानसिक शांति और आकर्षण बढ़ेगा। सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन

मंगल आपकी राशि में होने से ऊर्जा बनी रहेगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक यात्राओं से बचें और फिजूलखर्ची पर लगाम लगाएं। समझदारी से काम लें।

कर्क

सूर्य, बुध और गुरु आपकी राशि में होने से भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि के योग हैं और अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

सिंह

करियर और कार्यक्षेत्र के लिहाज से आज का दिन बेहद शानदार है। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

कन्या

शुक्र आपकी राशि में होने से रचनात्मकता और आकर्षण में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलने से काम गति पकड़ेंगे। प्रेम संबंधों में नया उत्साह और मिठास आएगी।

तुला

आज लेनदेन और वित्तीय निवेश में थोड़ी सावधानी बरतें। वाहन चलाते समय सतर्क रहें और जल्दबाजी से बचें। काम का दबाव अधिक रह सकता है, धैर्य बनाए रखें।

वृश्चिक

व्यापारिक साझेदारी से लाभ होगा और नए अनुबंध मिल सकते हैं। दैनिक रोजगार में वृद्धि होगी और मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल बहुत बेहतरीन रहेगा।

धनु

प्रतिस्पर्धियों और विरोधियों पर आपकी बढ़त बनी रहेगी। नौकरी-पेशा लोगों को अपने काम में मनचाही सफलता मिलेगी। खानपान सही रखें।

मकर

विद्यार्थियों और बौद्धिक कार्य करने वालों के लिए दिन शुभ है। शेयर बाजार या निवेश से जुड़े फैसलों में लाभ हो सकता है। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कुम्भ

भौतिक सुख-सुविधाओं और संपत्ति से जुड़े कामों में प्रगति होगी। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त होगा। कार्यस्थल पर अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त करें।

मीन

शनि आपकी राशि में होने से कार्यों में निरंतरता और अनुशासन रखें। आपके पराक्रम और साहस में वृद्धि होगी, छोटी यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सलमान खान और नयनतारा की फिल्म SVC63 में विलेन बनेंगे जैकी श्राफ

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म SVC63 की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने शुक्रवार को मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिमन्यु सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी।

दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

फिलहाल SVC63 के नाम से जानी जा रही यह फिल्म अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में आ सकती है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है, खासकर इसलिए क्योंकि सलमान बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फ्लॉप फिल्मों के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

SVC63 के अलावा, सलमान के पास मातृभूमि भी पाइपलाइन में है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही पूरा हो चुका है। इसे शुरू में इस साल अप्रैल में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।

ओटीटी पर दस्तक देगी कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य विधाता

फिल्म भारत भाग्य विधाता अब ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह फिल्म इस साल जून में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को काफी सराहना मिली, मगर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जुटाने के मामले में यह खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। दर्शकों का एक तबका इसकी ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहा था। उनका यह इंतजार पूरा हुआ।

फिल्म भारत भाग्य विधाता की ओटीटी रिलीज डेट से पर्दा हट गया है। इस फिल्म को दर्शक स्वतंत्रता दिवस के मौके पर परिवार के साथ बैठकर देख सकते हैं। कंगना की यह फिल्म 14 अगस्त 2026 से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो रही है। फिल्म

को जी5 पर स्ट्रीम किया जाएगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की है। जी5 ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, यह उन आम नर्सों की अनकही कहानी है, जिन्होंने 26/11 की सबसे काली रात में असाधारण हिम्मत दिखाई। कुछ हीरो कभी सामने नहीं आए। उनकी कहानियां कभी नहीं बताई गईं। 14 अगस्त से फिल्म को जी5 पर देख सकते हैं। बता दें कि यह फिल्म ऐसे मौके पर रिलीज हो रही है, जब देश में आजादी के पर्व का जश्न मनाया जाएगा। ओटीटी रिलीज के अगले दिन यानी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस है। आजादी की छुट्टी में लोग भारत भाग्य विधाता को देख सकते हैं। सैकनिल्क पर प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 7.04 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। देखना दिलचस्प होगा कि ओटीटी पर इसे कैसी प्रतिक्रिया मिलती है। मनोज तापड़िया निर्देशित यह फिल्म 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में नर्सों की जांबाजी पर आधारित है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म बयान मेरी सबसे चुनौतीपूर्ण फिल्मों में से एक है : हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी अपनी अपकमिंग फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर है कि उनकी फिल्म बयान ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी। हुमा कुरैशी ने प्रीमियर से पहले इसे लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। विकास रंजन मिश्रा की लिखी और डायरेक्ट की गई यह दिलचस्प हिंदी फिल्म, फेस्टिवल की ऑफिशियल लाइनअप का हिस्सा होगी। यह मेलबर्न के दर्शकों को साल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक दिखाएगी। फिल्म के ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा, बयान उन सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोषजनक फिल्मों में से एक है, जिसका हिस्सा बनने का मुझे मौका मिला है। एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में कहा, रूही एक ऐसी महिला है जो भारी दबाव के बावजूद अपनी बात पर अडिग रहती है, और उसके सफर को निभाने ने एक एक्टर के तौर पर मुझे कई तरह से आगे बढ़ाया। जिस चीज ने मुझे इस फिल्म की ओर आकर्षित किया, वह सिर्फ इसकी दिलचस्प जांच ही नहीं थी, बल्कि सत्ता, सच्चाई और न्याय के बारे में उठाए गए सवाल भी थे। उन्होंने फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, मुझे बहुत गर्व है कि बयान को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाया जाएगा, एक ऐसा फेस्टिवल जिसने हमेशा सार्थक सिनेमा को सराहा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म से जुड़ेंगे। इसकी चर्चाओं में शामिल होंगे। दर्शक लंबे समय तक सोचने के लिए थिएटर से कुछ लेकर निकलेंगे। बयान में हुमा रूही का किरदार निभा रही हैं, जो एक दृढ़ निश्चय वाली पुलिस अफसर है और अपने पहले अहम केस की जांच कर रही है। यह केस एक जाने-माने कल्ट लीडर से जुड़ा है, जिस पर यौन उत्पीड़न का शक है। जांच आगे बढ़ने के साथ-साथ उसे गवाहों के सहयोग न करने, संस्थागत बाधाओं और न्याय पाने की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

बिना पानी के जमीन पर सालों तक जिंदा रहती है यह मछली, पानी के एक बूंद की भी नहीं पड़ती जरूरत

दुनियाभर में कई ऐसे विचित्र जीव-जंतु हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। इनमें से कुछ जीव अपनी ही प्रजाति के दूसरे जीवों से बिल्कुल अलग होते हैं। अब मछली को ही ले लीजिए। बचपन से ही हम पढ़ते आ रहे हैं कि 'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है', यानी बिना पानी के मछली का जिंदा रहना नामुमकीन है। वो तड़प-तड़प कर मर जाएगी। लेकिन एक मछली ऐसी भी है, जो पानी के बिना महीनों ही नहीं, बल्कि कई सालों तक जमीन पर जिंदा रह सकती है। इस अनोखी और रहस्यमयी मछली का नाम लंगफिश है, जिसे कई जगहों पर सालामैंडरफिश के नाम से भी पहचाना जाता है। यह मीठे पानी में पाई जाने वाली एक विशेष प्रकार की मछली है, जो जमीन पर रहने के अपने अद्भुत गुण के लिए दुनिया भर में मशहूर है। लंगफिश, इसके नाम से ही साफ पता चलता है, इस मछली के पास एक बहुत ही विकसित श्वसन तंत्र होता है। इंसानों और जमीनी जानवरों की तरह यह मछली भी सीधे हवा से ऑक्सीजन लेने में सक्षम होती है। लंगफिश का शरीर काफी लंबा और पतला होता है, जो देखने में बिल्कुल बाम मछली की तरह दिखाई देता है। इसके पास धागे जैसे पतले पंख होते हैं, जिनका उपयोग यह पानी में तैरने और सतह पर रेंगने के लिए करती है। यह मछली आमतौर पर उथले पानी के सोर्स जैसे दलदल, पोखर और झीलों में रहना पसंद करती है। जब तक पानी मौजूद रहता है, तब तक यह बाकी सामान्य मछलियों की तरह ही व्यवहार करती है और छोटे जीवों तथा केकड़ों को अपना भोजन बनाती है। सबसे हैरान कर देने वाली बात यह है कि वयस्क होने पर इनमें से कुछ प्रजातियों के गलफड़े काम करना लगभग बंद कर देते हैं। ऐसे में पानी में रहते हुए भी इन्हें सांस लेने के लिए बार-बार सतह पर आना पड़ता है। अगर इस मछली को लंबे समय तक पानी के अंदर ही दबाकर रखा जाए, तो सांस न ले पाने के कारण यह पानी के भीतर ही डूबकर मर सकती है। यह बात इसे दुनिया की बाकी सभी मछलियों से एकदम अलग और अनोखा बनाती है। जब भीषण गर्मी और सूखे का मौसम आता है और नदियां-तालाब सूखने लगते हैं, तब लंगफिश अपनी जान बचाने का अनोखा तरीका अपनाती है। यह अपने मुंह में मिट्टी भरकर और उसे गलफड़ों से बाहर निकालकर कीचड़ के अंदर एक गहरा गड्ढा खोद लेती है। उस गड्ढे की गहराई में पहुंचने के बाद यह अपनी त्वचा से एक विशेष तरल पदार्थ (म्यूकस) छोड़ती है, जो सूखकर एक सुरक्षात्मक खोल बन जाता है।

अजब-गजब | पर्यटकों के लिए टूरिस्ट अट्रैक्शन का केंद्र है यह पहाड़

ये है दुनिया का सबसे छोटा पहाड़, एक नजर में लगता है टीला

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक ऊंचे पहाड़ हैं। माउंट एवरेस्ट से लेकर के2 तक। इन चोटियों पर अक्सर लोग चढ़ाई भी करते हैं लेकिन क्या आप दुनिया की सबसे छोटी पहाड़ी के बारे में जानते हैं? वो पहाड़ी, जिसे देखकर एक टीले जैसा अहसास होता है। सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह सच है। अगर आप इस पहाड़ी के बारे में नहीं जानते हैं, तो बता दें कि इसका नाम माउंट वाइचप्रूफ है। इस पर चढ़ने में महज एक से दो मिनट का ही समय लगता है। माउंट वाइचप्रूफ ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत में स्थित है। आधिकारिक तौर पर इसे दुनिया के सबसे छोटे रजिस्टर्ड माउंटेन का दर्जा दिया गया है। सड़क किनारे एक छोटे से टीले की तरह दिखने वाला यह पहाड़ पहली नजर में किसी को भी भ्रम में डाल सकता है, लेकिन इसका भूवैज्ञानिक महत्व और इतिहास अनोखा है। समुद्र तल से अगर इस पहाड़ की कुल ऊंचाई नापी जाए, तो यह लगभग 148 मीटर है।

एक छोटे पहाड़ के हिसाब से इसकी ऊंचाई ठीक मानी जाती है। लेकिन ये पहाड़ी थोड़ी अलग है। कहने को तो यह जमीन से 43 मीटर ऊपर है। लेकिन ढलान इतने सामान्य तरीके से उभरे हैं कि पता भी नहीं चलता कि पहाड़ी एरिया कहां से शुरू हुआ। यह पहाड़ वाइचप्रूफ नाम के एक छोटे से शहर में स्थित है, जो खुद इस पहाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर बसा है। इस शहर की स्थापना

आधिकारिक तौर पर साल 1875 में हुई थी, लेकिन यहां इंसानी बस्तियों का इतिहास 1846 से ही मिलता है। इस शहर और पहाड़ के नाम की कहानी भी बेहद दिलचस्प और प्राचीन है। वाइचप्रूफ शब्द की उत्पत्ति यहां के स्थानीय मूल निवासियों यानी एबोरिजिनल भाषा के शब्द 'विची-पूर्प' से हुई है। स्थानीय एबोरिजिनल भाषा में इसका शाब्दिक अर्थ होता है किसी पहाड़ी पर उगी हुई हरी घास। आज यह जगह पर्यटकों के लिए टूरिस्ट अट्रैक्शन है। यहां लोग इसकी चोटी पर खड़े होकर तस्वीरें खिंचवाने आते हैं। अगर हम केवल एक अकेली छोटी पहाड़ी के बजाय दुनिया की सबसे छोटी पर्वत श्रृंखला की बात करें, तो वो अमेरिका में है। इसका नाम सटर बट्स है, जो उत्तरी कैलिफोर्निया के सटर काउंटी में सैक्रामेंटो घाटी के सपाट मैदानों के बीच मौजूद है। यह वास्तव में एक प्राचीन कटे-फटे ज्वालामुखी शंकु के अवशेष हैं। हालांकि, इसमें एक के बजाय कई अलग-अलग चोटियां मौजूद हैं, इसलिए एक्सपर्ट्स द्वारा इसे दुनिया के सबसे छोटे पहाड़ के बजाय दुनिया की सबसे छोटी पर्वत श्रृंखला के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। आसपास के कृषि प्रधान मैदानी इलाकों से लगभग 610 मीटर ऊपर उठने वाले ये सटर बट्स कभी एक बेहद सक्रिय और खौफनाक ज्वालामुखी हुआ करते थे। भूवैज्ञानिकों के अनुसार इस ज्वालामुखी का निर्माण आज से लगभग 16 लाख से 14 लाख साल पहले प्लीस्टोसीन युग के दौरान हुआ था।

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार में सियासी रार

भाजपा का आरोप- मंत्री पद बेचा गया कांग्रेस ने दावों को किया खारिज

» 'ईमानदार' विधायकों के पास रुपये नहीं थे, उन्हें मंत्री पद से वंचित कर दिया गया : नारायणस्वामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक में हुए मंत्रिमंडल विस्तार में मंत्री पदों की कथित नीलामी के आरोप लगाकर राज्य सियासी रार मचा दी है। हालांकि कांग्रेस ने मामले को खारिज किया है। भाजपा ने इसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से स्पष्टीकरण की मांग की है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और राज्य भाजपा नेता सी. नारायणस्वामी ने एक कथित ऑडियो क्लिप का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि आर्थिक प्रभाव के आधार पर मंत्री पद तय किए गए। इसके अलावा भाजपा ने वाल्मीकि विकास निगम घोटाले के आरोपी बी. नागेंद्र को दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर भी कड़ा विरोध जताया है।

उन्होंने कांग्रेस की राज्य इकाई के दो नेताओं के बीच कथित ऑडियो बातचीत का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि राज्य में मंत्रिमंडल के पद आर्थिक प्रभाव के आधार पर हासिल किए गए। नारायणस्वामी ने दावा किया कि कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग से संकेत मिलता है कि जिन 'ईमानदार' विधायकों के पास रुपये नहीं थे, उन्हें मंत्री पद से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कर्नाटक में 89 करोड़ रुपये के वाल्मीकि जनजाति विकास निगम घोटाले में आरोपी बी. नागेंद्र को दोबारा राज्य मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर भी सवाल उठाए। भाजपा नेता ने चेतावनी दी कि अगर नागेंद्र पद पर बने रहते हैं तो पार्टी विरोध प्रदर्शन करेगी।

अनुराग ठाकुर ने ऑडियो रिकॉर्डिंग सुनाया

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस में किसी व्यक्ति का कद और पद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को दिए जाने वाले चढ़ावे (आर्थिक पेशकश) से तय होता है। यह मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि कांग्रेस नेताओं के बीच हुई बातचीत से ये गंभीर आरोप सामने आए हैं।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने दावा किया कि कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग के अनुसार, कर्नाटक मंत्रिमंडल में 80 प्रतिशत मंत्रियों ने इस तरह के चढ़ावे देकर मंत्रिपद हासिल किए। उन्होंने सवाल किया, वाल्मीकि जनजाति विकास निगम घोटाले में आरोपी और अब भी ईडी के मामले का सामना कर रहे व्यक्ति को मंत्रिमंडल में क्यों शामिल किया गया? क्या दलितों के लिए निर्धारित धन का गबन करने वाले व्यक्ति ने भुगतान के आधार पर नए मंत्रिमंडल में जगह हासिल की?" भाजपा नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा, ये गंभीर आरोप हैं। खरगे, राहुल गांधी और के.सी. वेणुगोपाल को इन आरोपों का जवाब देना होगा।

अनुच्छेद 370 पर बोलना मेरा अधिकार : इल्तिजा मुफ्ती

» पीडीपी नेता से श्रीनगर पुलिस ने की 2 घंटे पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि वह पुलिस जांच में सहयोग करेंगी, लेकिन अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाना उनका अधिकार है। इल्तिजा से हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी पर कथित हमले के सिलसिले में शुक्रवार को पूछताछ की गई। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के खिलाफ मंगलवार को पार्टी के प्रदर्शन के दौरान एक पुलिस अधिकारी से कथित तौर पर मारपीट को लेकर मामला दर्ज किया गया था।

यह प्रदर्शन पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के विरोध में किया गया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 132, 121 और 191(2) के तहत मामला दर्ज किया है। शुक्रवार को इल्तिजा को कोठीबाग थाने में बुलाया गया और उनसे लगभग दो घंटे तक पूछताछ की गई। बाद में पत्रकारों से पीडीपी नेता ने कहा कि उन्होंने पुलिस से कहा कि वे जो कुछ भी जानना चाहते हैं, उसमें सहयोग करने में उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा, अगर मेरे खिलाफ जांच होती है, तो मैं सहयोग करने को तैयार हूं। मैं पहली महिला या आखिरी कश्मीरी नहीं हूं, जिसे पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया है। इल्तिजा ने कहा कि उनकी लड़ाई किसी व्यक्तिगत मुद्दे के लिए नहीं, बल्कि हर कश्मीरी की ओर से है और यह गैरकानूनी नहीं है। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 के बारे में बात करना मेरा कानूनी अधिकार है। एक भारतीय नागरिक के तौर पर मुझे अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष करने का हक है। मैं भारत सरकार को बताना चाहती हूं कि मैं जो कर रही हूं, वह गैर-कानूनी नहीं है।

बीसीसीआई ने फिटनेस मानकों की शुरू की समीक्षा

» आठ महीने में 10 भारतीय खिलाड़ियों को लगी चोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के श्रीलंका दौरे से पहले कप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने से टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है। कोलंबो में अभ्यास के दौरान गिल के दाहिने हाथ की अंगुली पर चोट लगी। इसके बाद उन्हें मेडिकल टीम ने तत्काल जरूरी उपचार दिया। कुछ देर बाद वह नेट्स पर लौटे, लेकिन फील्डिंग प्रैक्टिस के दौरान उनके हाथ में दोबारा चोट लग गई और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें दोबारा मैदान पर नहीं लौटने दिया। वह श्रीलंका के खिलाफ वार्म अप मैच के पहले दिन फील्डिंग के लिए भी नहीं उतरे।

गिल की चोट ऐसे समय में सामने आई है, जब भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों की फिटनेस और फिजियो से जुड़े मुद्दों को लेकर बहस तेज है। पिछले आठ महीनों में करीब 10 भारतीय खिलाड़ियों के चोटिल होने के बाद बीसीसीआई भी फिटनेस व्यवस्था की समीक्षा करने की तैयारी में है। भारतीय टीम में पिछले आठ महीनों के दौरान करीब 10 खिलाड़ियों के चोटिल होने की बात सामने आई है। इनमें जसप्रीत बुमराह, कप्तान शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और हर्षित राणा जैसे नाम शामिल हैं। खिलाड़ियों के बार-बार चोटिल होने को लेकर फिटनेस व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और फिटनेस से जुड़े सपोर्ट स्टाफ के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। बीसीसीआई की ओर से खिलाड़ियों की फिटनेस और चोट प्रबंधन व्यवस्था की आंतरिक समीक्षा कराए जाने की बात भी सामने आई है। इसके बाद बोर्ड मौजूदा फिटनेस मानकों में बदलाव करने पर फैसला ले सकता है। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के बीच टीम की फिजियो और फिटनेस व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लंबे और व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रखने के लिए फिटनेस मानकों को लेकर बोर्ड नए सिरे से विचार कर सकता है।

भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए एसएलसी ने प्रशंसकों के लिए गॉल और कोलंबो में की फ्री एंट्री

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने भारत के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए क्रिकेट प्रशंसकों को बड़ा तोहफा दिया है। बोर्ड ने घोषणा की कि गॉल और कोलंबो में होने वाले दोनों टेस्ट मैचों में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश दिया जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच यह सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र का हिस्सा है। सीरीज का पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें दूसरे टेस्ट के लिए कोलंबो जाएंगी, जहां 23 से 27 अगस्त तक सिन्हलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर मुकाबला होगा। श्रीलंका क्रिकेट ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए आम दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रहेगा, ताकि क्रिकेट प्रशंसकों को विश्व स्तरीय टेस्ट क्रिकेट देखने का शानदार अवसर मिल सके।

वाह रे सिस्टम? 10 साल बाद भी नहीं मिला पीएम आवास

» नगर निगम में संपूर्ण समाधान में जनता का छलका दर्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनसुनवाई में पूनम गौड़ ने मेयर सुषमा खर्कवाल से शिकायत करते हुए बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 16 में लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित हुआ था, लेकिन करीब 10 साल बीतने के बावजूद उन्हें आज तक आवास नहीं मिला।पूनम गौड़ के मुताबिक, जब भी आवास के संबंध में जानकारी की जाती है तो बताया जाता है कि उनका आवास वृंदावन योजना अथवा अवध विहार योजना में शिफ्ट कर दिया गया है। उन्होंने मेयर से मामले का निस्तारण कराने की मांग की।

चौक निवासी अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि इलाके में नाली और पानी की व्यवस्था खराब होने के कारण नाली का पानी पेयजल व्यवस्था में मिक्स होने की समस्या सामने आ रही है। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि कटारी टोला और सोंधी टोला की करीब 30 हजार आबादी इस समस्या से प्रभावित है। पार्षद अनुराग मिश्रा ने भी समस्या के समाधान के लिए पहल की है। मेयर ने जल्द समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। शिवपुरम निवासी शकुंतला ने बताया कि उनके बेटे की मृत्यु हो चुकी है और करीब 400 वर्गफुट के मकान का बिजली बिल 2300 रुपये आ रहा है, जबकि पहले करीब 300 रुपये बिल आता था। उन्होंने बिल में अचानक हुई बढ़ोतरी की जांच और समाधान की मांग की।

तीन बार मकान बेचने का आरोप, मुकदमे के बावजूद नामांतरण नहीं

बंगला बाजार निवासी कृष्ण मोहन रावत ने आरोप लगाया कि उनके मकान को कथित तौर पर तीन बार अवैध तरीके से बेच दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत तीन मुकदमे दर्ज हैं और दीवानी मुकदमे में भी वह जीत चुके हैं। इसके बावजूद उनकी पत्नी के नाम संपत्ति का नामांतरण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने नगर निगम से मामले में कार्रवाई कर नाम दर्ज कराने की मांग की।

पीके की जीत बिहार की राजनीति में उम्मीद की किरण : शत्रुघ्न सिन्हा

» टीएमसी सांसद बोले- राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं यह सराहनीय कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तृणमूल सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत बिहार की राजनीति के काले बादलों के बीच उम्मीद की किरण है। सिन्हा ने अपने गृह नगर पटना के दौरे के दौरान ये बात कही।

उन्होंने 'जेन-जी' के विरोध प्रदर्शन से निपटने में केंद्र की सत्तारूढ़ राजग सरकार के तरीके की आलोचना की, वहीं छात्रों के समर्थन में मजबूती से खड़े होने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सराहना की। सिन्हा ने कहा, यह एक उल्लेखनीय जीत थी।

पंजाब में कांग्रेस के बढ़ते समर्थन से भाजपा घबराई: बघेल

» शिअद से गठबंधन की कोशिश पर बोले कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने दावा किया कि कांग्रेस को मिल रहे जबरदस्त जनसमर्थन से भाजपा घबराने लगी है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि भाजपा ने राज्य में संभावित गठबंधन के लिए शिरोमणि अकाली दल के साथ संवाद के रास्ते खोल दिए हैं। बघेल ने यहां जारी 'हर बूथ, कांग्रेस मजबूत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च में पंजाब दौरे के दौरान दावा किया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 27 का पंजाब विधानसभा चुनाव बिना किसी गठबंधन के अकेले लड़ेगी।

उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस को मिल रहे जबरदस्त समर्थन को देखकर भाजपा घबरा गई है और उसने अकाली दल के साथ बातचीत शुरू कर दी है। शिअद के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई मुलाकात के बाद अटकलें तेज हो गई हैं कि कभी सहयोगी रहे दोनों दल अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए फिर से साथ आ सकते हैं।

महिला आरक्षण बिल को लेकर मचा सियासी घमासान

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान के बाद रिजिजू का सवाल, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री बोले- महिला आरक्षण बिल का समर्थन करे कांग्रेस

» कांग्रेस व भाजपा में वार पलटवार जारी

» नेता प्रतिपक्ष ने परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जोड़ने पर भी आपत्ति जताई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला आरक्षण व परिसीमन को लेकर कांग्रेस व भाजपा में वार पलटवर जारी है। वही परिसीमन पर होने वाली सर्वदलीय बैठक में टीवीके के शामिल होने पर डीएमके ने विरोध करने का फसला किया है। इन सबके बीच कांग्रेस ने पुन: गृहमंत्री से छात्रों पर हुए लाठीचार्ज कर हिसाब मांगा है।

बता दें राहुल गांधी के वुमन पावर वीडियो पर किरेन रिजिजू ने उनके विचारों में हृदय परिवर्तन पर तंज कसा और महिला आरक्षण बिल के समर्थन की मांग की। राहुल गांधी ने पलटवार करते हुए कहा कि बिल कांग्रेस के पूर्ण समर्थन से पहले ही पारित हो चुका है, लेकिन सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया और बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी की महिला सशक्तिकरण पर हालिया टिप्पणियों की आलोचना की। राहुल गांधी ने को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में महिलाओं को फिर से बातचीत में शामिल करने और उन्हें अपनी पसंद का काम करने की आज़ादी देने की ज़रूरत के बारे में बात की। रिजिजू ने गांधी के संदेश को सकारात्मक संदेश बताया, साथ ही यह सवाल भी उठाया कि क्या इससे उनके विचारों में बदलाव झलकता है।

मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण बिल का समर्थन करेगी : रिजिजू

रिजिजू ने एक्स पर लिखा कि यह कांग्रेस पार्टी की ओर से एक सकारात्मक संदेश लगता है। महिलाओं के प्रति राहुल गांधी के विचारों में स्पष्ट बदलाव दिख रहा है। इसके बाद उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर ध्यान दिया और कांग्रेस से बिना किसी शर्त के इसका समर्थन करने की अपील की। रिजिजू ने कहा कि अब मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण बिल का समर्थन करेगी।

यह कानून कांग्रेस के पूरे समर्थन से पहले ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने महिला आरक्षण बिल पर किरण रिजिजू की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि यह कानून कांग्रेस के पूरे समर्थन से पहले ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। राहुल गांधी ने पोस्ट किया कि रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आपसे बेहतर कौन जान सकता है कि महिला आरक्षण बिल 23 कांग्रेस के पूरे समर्थन से पहले ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। विपक्ष के नेता ने सवाल उठाया कि पारित होने के तीन साल बाद भी यह कानून लागू क्यों नहीं किया गया है, और उन्होंने इसे परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जोड़ने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया है, और अब आप इसे बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ना चाहते हैं? राहुल गांधी ने बिना किसी शर्त के कानून को लागू करने की मांग करते हुए कहा कि 23 का कानून लागू करें।

गृह मंत्री अमित शाह के सदन में उपस्थित न होने से संसद का कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा है : जयराम रमेश

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के सदन में उपस्थित होकर सांसदों के सवालों का सामना नहीं करने के कारण संसद का कामकाज लगातार प्रभावित हो रहा है और ऐसे अब वर्तमान मानसून सत्र के चार कार्यदिवस बचे हैं तो उन्हें प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्यवाही को लेकर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि संसद का कामकाज लगातार 15 दिनों से सामान्य रूप से नहीं चल पाया तो एकमात्र वजह गृह मंत्री का दोनों सदनों में आकर पुलिस कार्रवाई पर बयान देने से इनकार करना है। उन्होंने यह आरोप लगाया कि इस मानसून सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री की कायरता का पर्दाफाश हो गया है। रमेश ने दावा किया कि अमित शाह संसद परिसर में अपने कक्ष में आते हैं और घंटों बैठे रहते हैं, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में आकर सांसदों का सामना करने तथा दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवालों के जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री को सबसे पहले पुलिस की ज्यादतियों पर जवाब देना चाहिए।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि दिल्ली पुलिस सीधे गृह मंत्री के प्रभार और नियंत्रण में है और ऐसे में उन्हें सदन में आकर इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने शाह के सदन से लगातार अनुपस्थित रहने को ''अभूतपूर्व'' करार दिया। रमेश ने कहा कि गृह मंत्री को पुलिस कार्रवाई पर अपना पक्ष रखना चाहिए।

कांग्रेस और टीवीके ने डीएमके पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय केंद्र सरकार के प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास पर चर्चा के लिए राज्य के सांसदों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, वहीं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)के सांसद इस बैठक का बहिष्कार करेंगे। विजय शनिवार अपराह्न तीन बजे यहां कलैवनार अरंगम में बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें केंद्र सरकार के परिसीमन प्रस्ताव और इसके राज्य पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों पर चर्चा की जाएगी।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु के मुख्य सचिव एम. साई कुमार ने छह और सात अगस्त को सांसदों को अलग से आमंत्रण भेजे थे। द्रमुक सूत्रों ने कहा कि उनकी पार्टी के सांसद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी अपने इस रुख पर कायम है कि जब सरकार मेकेदातू मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाएगी तभी वह चर्चा में शामिल होगी। द्रमुक तमिलनाडु के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारे पार्टी प्रमुख एम. के. स्टालिन ने सबसे पहले परिसीमन के खिलाफ आवाज उठाई थी और राज्य के हितों की रक्षा के लिए इसके खिलाफ संघर्ष किया है।

राज्य से जिनके निजी हित जरूरी वह बहिष्कार कर रहे: मणिकम टैगोर

इस बीच कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने एक बयान में कहा, जो लोग अपनी राजनीति को तमिलनाडु के हितों से ऊपर रखते हैं, वे बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला कर सकते हैं। लेकिन जो लोग तमिलनाडु को पहले और राजनीति को बाद में रखते हैं, वे मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे। टैगोर ने कहा, यह पार्टी की राजनीति का मुद्दा नहीं है। यह तमिलनाडु के अधिकारों, हितों और भविष्य का सवाल है। तमिलनाडु की जनता देख रही है और वह याद रखेगी कि जरूरत के समय राज्य के साथ कौन खड़ा था। कांग्रेस तमिलनाडु में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की सहयोगी है। शुक्रवार को जब विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने मेकेदातू का मुद्दा उठाया था, तब मुख्यमंत्री विजय ने कहा था कि कावेरी जल विवाद (मेकेदातू) पर पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ बातचीत का प्रस्ताव उन्होंने ही दिया था, क्योंकि उन्हें सकारात्मक परिणाम की कुछ उम्मीद थी। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा था कि वह इस मुद्दे पर ओझी राजनीति नहीं करना चाहते।

देश को अमेरिका के हाथों गिरवी रख रहे पीएम मोदी : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वे भारत के हितों की रक्षा करने में नाकाम रहे हैं। यह आरोप अमेरिकी सीनेट के उस कदम के बीच लगाया गया है जिसमें रूसी तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर कड़े प्रतिबंध लगाने वाला बिल पास करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर ट्रंप के फैसलों को मानकर भारत के हितों से समझौता करने का भी आरोप लगाया और कहा कि ट्रंप देश के मामलों में लगातार दखल दे रहे हैं। एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि देश को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने, ट्रंप की गुलामी स्वीकार करने और भारत को अपमानित कराने के बाद, मोदी जी देश के लिए यह स्थिति ले आए हैं।

जोन-4 में 'प्राइवेट वसूली गैंग' का खेल!

राजस्व निरीक्षक पर निजी लड़कों से वसूली कराने के आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम के जोन-4 में राजस्व वसूली के नाम पर कथित तौर पर प्राइवेट लड़कों के जरिए वसूली का खेल जारी राजस्व निरीक्षक द्वारा निजी व्यक्तियों को लगाकर दुकानदारों और आम जनता से वसूली कराई जा रही है। इतना ही नहीं, इस पूरे खेल से जहां नगर निगम के राजस्व को नुकसान भी हो रहा है वहीं जनता को गुमराह कर कथित तौर पर शिकार बनाया जा रहा है।

जोन 4 कार्यालय के बाहर बनी कैंटीन में कथित तौर पर वसूली और 'डील' का खेल तय होता है। सवाल यह है कि जब नगर निगम के पास बाकायदा राजस्व विभाग और कर्मचारी मौजूद हैं, तो आखिर इतने बाहरी निजी व्यक्ति जोन-4 कार्यालय के अंदर बैठकर किसके आदेश पर काम कर रहे हैं? सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर निगम के सरकारी कार्यालय में बाहरी निजी व्यक्तियों की मौजूदगी और उनकी भूमिका किसने तय की? क्या इन लोगों की कोई अधिकृत नियुक्ति है? सरकारी कार्यालय में बैठने और राजस्व संबंधी काम में दखल देने की अनुमति किस अधिकारी ने दी निजी लड़कों द्वारा जनता से संपर्क कर उन्हें सरकारी कर्मचारी होने का आभास दिया जाता है और इसी के जरिए कथित तौर पर वसूली की जाती है। अगर किसी व्यक्ति से नगर निगम के नाम पर पैसा लिया जा रहा है, लेकिन वह राशि निगम के खज़ाने में जमा नहीं हो रही, तो यह सीधे तौर पर नगर निगम के राजस्व और सरकारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

अधिकारियों की नजर से कैसे बचा 'प्राइवेट सिस्टम'

जोन-4 में कथित निजी वसूली व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों तक नहीं पहुंची या फिर पहुंचने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई–यह भी जांच का बड़ा सवाल है। क्या नगर निगम प्रशासन कराएगा जांच?किसके संरक्षण में बैठे हैं ये बाहरी लोग? किसके आदेश पर जनता से राजस्व की वसूली कराई जा रही है? कैंटीन में किन लोगों के बीच तय होती है कथित 'डील'?और सबसे बड़ा सवाल–नगर निगम के राजस्व का हिसाब कौन देगा?

हादसे का शनिवार: दुर्घटना में 10 ने गंवाई जान

हिमाचल प्रदेश में सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरी बस, 7 लोगों की मौत और 11 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश और पंजाब में शनिवार सुबह हुए दो भीषण सड़क हादसों में कुल 10 लोगों की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक यात्री बस के खाई में गिरने से 7 लोगों की जान चली गई, वहीं पंजाब के जालंधर में एक तेज रफ्तार कार के खड़े ट्रक से टकराने से 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में टिस्सा-बैरागढ़ रोड पर चलुज मोड़ के पास एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से फिसल गई और हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना के वक्त बस बैरागढ़ से चंबा शहर की ओर जा रही थी और उसमें लगभग 15 से 20 यात्री सवार थे। इस भीषण हादसे में चार पुरुषों और तीन महिलाओं समेत 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में बस का ड्राइवर और कंडक्टर भी शामिल हैं। दुर्घटना में 11 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायल यात्रियों को इलाज के लिए तुरंत टिस्सा के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। टिस्सा पुलिस स्टेशन के एडिशनल एसपी अनुभव शर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस जांच जारी है।

जालंधर में कार दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

इससे पहले, शनिवार सुबह जालंधर-मकसूदन बाईपास हाईवे पर एक स्विफ्ट कार के खड़े हुए सामान से लदे कैंटर ट्रक से टकराने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस को सुबह करीब 6.30 बजे हादसे की जानकारी मिली। बताया जा रहा है कि तीन लोगों से भरी कार तेज़ रफ्तार में ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर से गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को आगे की कार्रवाई के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि कार का रजिस्ट्रेशन लम्मे गाँव इलाके का है और मृतकों की पहचान के लिए वहाँ के लोगों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। कार के मालिक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा